AMAR UJALA MY CITY PAGE 5



नखनऊ। साहित्यकार यतींद्र मिश्रा ने कहा कि लखनऊ को समझना आसान नहीं है। यह शहर अपनी परंपराओं और तहजीब को संजोने से बनता है। इसे और इसमें होने वाले बदलावों को समझने के लिए यहां की तहजीब को जानना होगा। वह शनिवार को

लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपियन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय साहित्य उत्सव में बोल कार्यक्रम में 'लखनऊ एक नया दौर है' थीम पर आयोजित सत्र में विश्वविद्यालय के मानवशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नदीम

हसनैन, लेखक मेहरू जफर और फोटोग्राफर महाराज, छम्मू महाराज और विंदा महाराज के अलग-अलग हिस्सों से लोग बस चुके हैं, मारूफ कलमेन ने शहर की तहजीब, योगदान को बताया। उन्होंने बेगम अख्तर के मूल लखनवियत वाले लोग कम हो गए हैं। खानपान, बाजार, लेखकों और साहित्य पर कोठे से लेकर नौशाद, गुरबत सलीम, गोविंद उन्होंने कहा कि नया लखनऊ आईटी और बातें की। सत्र में सलीम आरिफ ने माडरेटर सहाय, अमृतलाल नागर, कुंबर नारायण और मेडिकल हब के तौर पर पहचान बना रहा है। की भूमिका निभाई। यतींद्र ने कालिका यशपाल के समय के लखनऊ की चर्चा की। मेहरू जफर ने कहा कि नवाबों ने यहां की बिंदादीन की ड्योढ़ी का जिक्र करते हुए प्रो. नदीम ने बदलते दौर में लखनऊ को संस्कृति को अपनाया और लखनऊ को कथक की परंपरा में बिरज महाराज, अच्छेन कास्मोपोलिटन शहर बताया जहां अब देश के तहजीब का शहर बनाया।

लिववि : ऑनलाइन कोर्स के आवेदन 31 तक

लखनऊ। लविवि में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अध्यर्थी विवि की वेबसाइट

lkouniv.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। फिलहाल सिर्फ बीकॉम और एमकॉम के लिए ही आवेदन लिए जा रहे हैं। आगे कोर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। आवेदन की अंतिम तारीख 31 मार्च है। लविवि

प्रवक्ता प्रो. दर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीकॉम की रजिस्टेशन फीस 250 रुपये और शिक्षण शल्क

5000 रुपये प्रति सेमेस्टर है। एमकॉम के चार सेमेस्टर के लिए प्रति सेमेस्टर आठ हजार रुपये फीस है।

परीक्षा देने विश्वविद्यालय आना होगा : प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने वताया कि विद्यार्थियों को सभी

व्याख्यान का पीडीएफ व वीडियो ऑनलाइन ही उपलब्ध होंगे। असाइनमेंट भी ऑनलाइन होगा। विद्यार्थियों

■ छठे सेमेस्टर में मेजर-1 व 2 में कर सकेंगे बदलाव : लविवि में वीएससी छठे सेमेस्टर में विद्यार्थी

अपने मेजर-1 व 2 के विषय में बदलाव कर सकेंगे। यह सुविधा सिर्फ विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के

लिए ही है। लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने शनिवार को इसका आदेश जारी कर दिया। (संवाद)

राज विसारिया को भी याद किया। रंगकर्मी सलीम आरिफ ने कहा कि उनकी थियेटर में श्रूरुआत पोस्टर वनाने से हुई थी। इसमें कलाकार रणबीर सिंह बिष्ट, कुंवर नारायण भादि का बड़ा योगदान रहा। अंग्रेजी विभाग के 📗 उच्च शिक्षा वालों के साथ अच्छा व्यवहार प्रो. रविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जब हम अपनी 🕴 होता है, इसलिए उन्होंने मुझसे ग्रेजुएशन भावनाओं को शब्दों में तलाशते हैं तो फूल भी 📗 करने को कहा और मैं उनके इस भोले प्रेम कहानी कहने लगते हैं। को मना नहीं कर पाया।

थियेटर-सिनेमा पर हुई बात दूसरे सत्र में थियेटर और सिनेमा विषय पर में सविधा मिलेगी बातचीत हुई। इसमें वरिष्ठ रंगकर्मी सूर्यमोहन लश्रेष्ठ ने कहा कि लखनऊ थिएटर के मामले में अदुभृत शहर रहा है। जब मैंने थियेटर में कॅरिअर शुरू भी नहीं किया था तब से यहां इंटरमीडिएट के बाद मैं एनएसडी में पढना ांचीय रामलीलाएं प्रचलित थीं। उन्होंने पद्मश्री चाहता था लेकिन मां के कहने लखनऊ विवि में स्नातक में दाखिला ले लिया। पिता वामपंथी विचारधारा के नेता थे तो ज्यादातर समय जेल में ही रहे। मैं भी कुछ पिता की तरह ही था। मां को मालूम था कि जेल में

लविवि के लिटरेचर फेस्टिवल में श्रीलंका की छात्राओं ने दी प्रस्तति। संवाद लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दो विवि में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ।

फेस्ट का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। है... गाया तो पूरा मालवीय हाल साथ में गुनगुनाने लगा। इसी तरह श्रीलंका, म्यांमार, तजाकिस्तान, बांग्लादेश और गई। अंत मे डॉ. हरिओम की गजलों से सजी पुनीत ने किया। इस दौरान आयोजन महफिल: तीसरा सत्र आईएएस डॉ. सचिव प्रोफेसर ऑफ एनिमेन्स प्रो. निशि

प्रस्तुतियों ने जमाया रंग

प्रोफेसर रहे डॉ. अब्बास रजा नैय्यर के विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे।

लविवि के 12 छात्रों को मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि के 12 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हुआ है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांश् पाण्डेय ने बताया कि बेवन सॉल्युशन कंपनी के कैंपस ड्राइव में एमबीए की छात्राओं रितिका सिंघल, अंकिता मजूमदार और बीटेक की अपर्णा का चयन तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुओ। एचसीएल टेक में रिया जायवाल, अनुराधा शुक्ला, खुशी शर्मा, क्षितिज रस्तोगी, रिफात हसैन, आर्यन अवस्थी, काजल मिश्रा, प्रखर यादव व जीशान रहमान का चयन 2.40 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। (संवाद)

i-NEXT PAGE 5

अब जितना प्यार जताते हैं, दिखाते हैं, पहले नहीं था

कभी नहीं रहा, लेकिन मैंने पुराने

बरात निकलतं कभी नही देखा, पर अब देख रहा हूं. इतना जरूर है कि

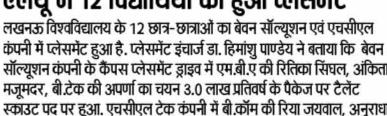
लोग लखनऊ को अब जितना प्यार जताते हैं, दिखाते हैं, पहले नहीं था.

अगली वक्ता मेहरू जफर ने प्रो.

लखनऊ को जानना है तो मेरिस कालेज आफ म्यूजिक (अब भातर



एलयू में 12 विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट



स्काउट पद पर हुआ. एचसीएल टेक कंपनी में बी.कॉम की रिया जयवाल, अनुराध शुक्ला, खुशी शर्मा, बी.सी.ए के क्षितिज रस्तोगी, रिफात हुसैन, बी.ए के आर्यन अवस्थी, काजल मिश्रा), बी.एससी के प्रखर सिंह यादव) और बी.वी.ए के जीशान रेहमान का चयन 2.40 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर टेविनकल संपोर्ट एनालिस्ट पव पर हुआ. स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत चारबाग स्थित एर सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज में शनिवार को बी.ए, बी.काम की 263 छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया. इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद रामचंद्र प्रधान, प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, क्षेत्रीय पार्षद आशीष हितैषी एवं बार काउंसिल के अध्यक्ष सुरेश पांडे उपस्थित रहे.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

'स्नातक के बाद बढ़ जाती हैं जेल में सुविधाएं'

अभिनेता, लेखक अतल तिवारी ने शनिवार डीएनए में तीन प्रतिशत के जितना फर्क है उतना ही अंतर फिल्म और नाटक में भी है। नाटक घड़ी की तरह होता है, जितनी बार

खोलेंगे और जोड़ेंगे, उतनी ही इसकी कहानी लिखने की तमीज आएगी। उन्होंने इस संबंध में अपने बेटे को घड़ीसाज बनाने की कहानी भी सनाई।





लखनऊ विश्वविद्यालय लिटरेचर फेस्टिवल के शभारंभ अवसर को हुई तो उन्होंने यह कहा कि बेटा पहले बीए पास कर लो, क्योंकि पर आयोजित रंगमंच से लेकर सिनेमा तक की अपनी यात्रा पर बोल स्नातक होने के बाद जेल में मिलने वाली सिवधाएं बढ़ जाती है



श्री तिवारी लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित दो देवसीय सिलेक्शन एनएसडी में हो गया था, जब उसकी जानकारी उनकी मां

लखनऊ को जानना है तो इसकी तहजीब को समझें बातों में घुली मिठास लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय साहित्य उत्सव की शुरुआत विदेशी छात्र-छात्राओं की

एलयू की कल्चरल समिति द्वारा पहला लिटरेचर फेस्टिवल आयोजित किया गया। दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ नाटक, साहित्य और संगीत गलाव की तरह हमारी जिंदगी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उन्होंने रामवृक्ष वेनीपुरी के निवंध 'गेहुं बनाम गुलाव' का जिक्र करते हुए 🧳 कहा कि गेहं (भुख) के लिए भागदौड भरी जिन्दगी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी ब्रेन्स ने केन्या का पारंपरिक गीत व तजाकिस्तान के विद्यार्थियों ने अपना पारंपरिक रंग नृत्य प्रस्तुत किया। की पर सभागार उस समय झम उठा जब अफगानिस्तान के लिखी गजलें विद्यार्थी मसीह अल्हाम ने हिंदी गीत 'जिंदगी प्यार का गीत रायरी के साथ नाटक का चला दौर है...' गाया। वीच-वीच में अपनी मातुभाषा के शब्द जोड़कर वौथे सत्र 'पोएट्री टू म्यूजिक' में डॉ.हरी ओम ने 'जब मसीह ने दो संस्कृतियों के मिलन की अनुभूति करवाई। रंग महफ़िल में घोलने न दिया, राज सीने का खोलने उपभोक्ता संस्कृति तहजीब पर हावी : लखनऊ ना दिया। आज बारी हमारी थी लेकिन, आज भी

पद्मश्री राज में पहले उपभोक्ता संस्कृति देखने नहीं मिलती थी, पर उसने बोलने न दिया...' शेर पढ़ा तो छात्रों ने 'लाल विसारिया को धीरे-धीरे लखनऊ वदलता जा रहा है। पीछे मुड़कर देखों फूल नीला फूल हरी ओम भैया ब्यूटीफुल' के नारे श्रद्धांजिल दी तो लगता है सब कुछ बदल गया है। ये वात दूसरे सत्र लगा दिए। अब्बास रजा नायर ने भी शेर सुनाए। 'चैट लखनऊ एक नया दौर' में लेखक नदीम हसनैन ने प्रो. बॉक्स' सत्र में आरजे प्रतीक और अभिनेत्री लुबना सलीम आरिफ से बातचीत के दौरान कहीं। यतींद्र मिश्र ने सलीम के बीच सोशल मीडिया के प्रति युवाओं के कहा कि हम अपनी तहजीव और अदव खो रहे हैं। सत्र को जुनून पर चर्चा हुई। इस दौरान सत्या सरन ने भी नाटक पढ़िये, फिर खुद गढ़िए: तीसरा सुत्रिथियेटर और अभिमन्यु' का मंचन फिल्म कलाकारों के नाम रहा। प्रो.निशि पांडेय से वातचीत तिवारी, प्रो. आरपी सिंह और सलीम आरिफ ने युवाओं

बहुत करीब है मंजिल जरा संभलने दे ..

सत्र में प्रमुख साचिव समाज कल्याण

नव्यर ने शायराना अंदाज में गुपतग्

कजनी शुरू हुई तो फिर नहीं रुकीं।

लखनऊ पढ़ो तो इतना पढ़ो कि नाम हो

पुरुक्तर अपनी शंकाओं का समाधान | वो मुझे कोई नहीं जानता था, लेकिन जब

नहीं हुं, तुम्हारे काम का हो पार्क गहचान धन आए। झान से ही आएकी

मैं अच्छा भी नहीं है...' और 'रंग और नहीं होना वाहता हूं। हर दिन

लगाया जा सकता है कि एक के जिज्ञासाएँ सामने रखीं।

. इ.रि.ओम ने शायरी के बीच युवाओं

जरूरी है। इसके बिना आप कुछ लिख

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय पहुंचा

मैंने टाप किया तो विश्वविद्यालय के आपे

पद्भा हु और किर लिखता हु। बहुत कुछ

में प्रसिद्ध रंगकर्मी सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, अभिनेता अतुल अंत में पद्मश्री राज बिसारिया को याद करते हुए एपी को नाट्य रचना और एक्टिंग के गुर सिखाए। सूर्य मोहन नाटक 'अभिमन्यु' का मंचन इंग्लिश थिएटर ग्रुप द्वारा कुलश्रेष्ठ ने बताया कि उर्मिल थपलियाल ने लखनऊ की किया गया। नाटक की कहानी महाभारत के 13वें दिन विधा नौटंकी और नाटक को मिलाकर एक नई विधा तैयार अभिमन्यु द्वारा चक्रव्यूह भेदन और उसके मारे जाने की थी। अतुल तिवारी ने कहा कि अगर थियेटर लिखना पर आधारित थी। नाटक में सचित राय (अभिमन्यु) है तो पहले किसी प्रसिद्ध नाटककार की स्क्रिप्ट को पढ़ना और फिर उसे खुद के शब्दों में गढ़ना सीखें।

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन बीकॉम

और एमकॉम पाठयक्रम में आवेदन

शुरू हो गए हैं। पंजीकरण और प्रवेश

की अंतिम तिथि 31 मार्च तय की है।

एलयू में लखनऊ विश्वविद्यालय

ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र का

शुभारंभ शनिवार को हुआ। इसके

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ को विभिन्न सत्रों में वक्ताओं समझना आसान नहीं है। यह शहर ने रखे अपने विचार साहित्य पर बातें कीं। सलीम आरिफ यहां की संस्कृति को जानना होगा। ये ने माडरेटर की भूमिका निभाई। बातें प्रख्यात साहित्यकार यतींद्र मिश्रा यतींद्र ने कालिका बिंदादीन की की परंपरा में बिरजु महाराज, अच्छन आधुनिक यूरोपियन विभाग की ओर महाराज, छम्मू महाराज और बिंद्या आयोजित दो दिवसीय साहित्य महाराज के योगदान को बताया।

एलयु में शनिवार से शुरू हुए दो दिवसीय साहित्य उत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। अभिनेता अभित तिवारी ने कहा कि उनका मन हमेशा से रंगमंच में लगता था। आयोजित सत्र में मानवशास्त्र विभाग वताया जहां अब देश के अलग-लेखक मेहरू जफर और फोटोग्राफर अन्होंने कहा कि नया लखनऊ मारूफ कलमेन ने शहर की तहजीब, आईटी और मेडिकल हब के तौर पर जेल में ही रहे। मैं भी पिता की तरह ही था। मां को मालूम था जेल में उच्च शिक्षा





मामले में अद्भंत शहर रहा है। जब विदेशी छात्रों ने जमाया रंग छात्रों की अफगानिस्तान म्यामार

 व्याख्यान का पीडीएफ और वीडियो ऑनलाइन मिलेगा।

लिखित परीक्षा ऑफलाइन

निर्धारित किया गया है। अगले वर्ष से चार अन्य विषयों में पढ़ाई लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार अंग्रेजी,

दोनों पाठ्यक्रमों की

। कुलपति प्रो . आलोक राय का समाधान भी शिक्षक ऑनलाइन कहना है कि बीकॉम की प्रति सेमेस्टर पांच हजार रूपये और असाइनमेंट भी ऑनलाइन एमकॉम की आढ हजार रूपये

फीस तय हो गई ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम की फीस तय कर दी गई

फीस तय की गई है। पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क 250 रुपये

जरिए तीन वर्षीय बीकॉम और दो वर्षीय एमकॉम पाठ्यक्रम का संचालन किया कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश वताया कि यूजीसी के दूरस्थ शिक्षा प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऑनलाइन ब्यूरो से एलयू को ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 से प्रदान करने का अनुमोदन प्राप्त हुआ दाखिले आरंभ किए जा रहे हैं। इच्छुक है। एलयू में बीकॉम, एमकॉम पाठ्यक्रम विद्यार्थी 31 मार्च तक पंजीकरण और ऑनलाइन लांच किया जिसमें पूरे देश से लोग आवेदन कर सकेंगे।

संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास और अर्थशास्त्र में भी स्नातक और परास्नातक

की पढ़ाई शुरू होगी। जिसमें छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे।

एलयु के 12 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के 12 बच्चों का चयन कैंपस प्लेसमेंट के किया। सभी को सालाना तीन लाख का पैकेज भुगतान करने का लेटर दिया। चयनित होने वालों में अपर्णा, रितिका सिंघल, अंकिता मजूमदार, रिया जायसवाल, अनुराधा शुक्ला, खुशी शर्मा, क्षितिज रस्तोगी, रिफात हुसैन, प्रखर सिंह, जीशान रहमान शामिल हैं। कुलपति प्रो. आलोक राय ने शुभकामनाएं दीं

JAGRAN CITY PAGE III





सक्षम ने पियानो और आदित्य ने बांसुरी पर छेड़ी धुन सक्षम ने पियानो और आदित्य शर्मा ने बांसुरी की ऐसी धन छेडी कि सब



, एमकाम कोर्स में आनलाइन आवेदन 31 तक

विश्वविद्यालय ने शनिवार को लवि सेंटर आफ आनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन का शुभारंभ कर दिया। इसके तहत आनलाइन

धडकर्गों को तेज किया। अपनी शोयराना अंदाज में जवाब देकर उन्हें हं, सिकंदर हं मगर हारा हुआ हं...' शिशिर ने पूछा कि में नृत्य का सुनाकर युवाओं को तालियां खजाने। दीवाना हूं, लेकिन पहाई के साध-पर मजबूर किया। डा.हरिओम ने साथ पदाना भी पड़ता है। मैं कैसे जलने दे, बहुत करीब है मौजिल जरा - संकता है। डा.हरिऔम ने कहा कि संघलने दे, अभी ये रात उजालों से। पड़ाई के साथ नृत्य कर सकते हैं,

भीग जाएगी, बस एक बार सितारों लेकिन आपको निर्धारित करना है को आंख मलने दे...'सनाकर सभी कि आप प्राथमिकता किराको देते हैं। का दिल जीत लिया। युवाओं की खजरंगलाल तिवारी, निधि, पंकज, उत्सकता का अंदाजा इसी बात से आलीक वर्मा व मकल ने भी अपनी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला प्रवेश प्रक्रिया शरू हो गई है। इन वर्ष) उत्तीर्ण करने होंगे। प्रत्येक इसमें चार सेमेस्टर पास करने होंगे।

इन दोनों प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए भारत के सभी नागरिक भावेदन कर सकेंगे। अधिकतम आयु सीमा नहीं रहेगी। जो छात्र किसी कारणवश रेगुलर विश्वविद्यालय नहीं आ

तथा आनलाइन शिक्षा प्रोग्राम दोनों की रेगुलर उपधियों के समकक्ष है। in के माध्यम से 31 मार्च तक आनलाइन एजुकेशन के लिए दुरस्थ विषय : बी.काम में आवेदन के लिए होगा। लिखित परीक्षा होगी। आवेदन फार्म भर सकते हैं। कुलपति शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान 250 रुपये पंजीकरण शुल्क होगा।

उन्होंने बताया कि लखनऊ आनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम की विद्यार्थियों को छह सेमेस्टर (तीन फीस आठ हजार रुपये देनी होगी।

ही आफर कर रहा है। लिव को बी,काम के प्रत्येक सेमेस्टर में छह विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आना मिल चुका है। बी.काम व एम.काम) हजार रुपये तय की गई है। इसमें 250 रुपये ही है। प्रत्येक सेमेस्टर की

पाठयक्रम विश्वविद्यालय के रेगुलर बीकाम जैसा ही है। विद्यार्थियों को सभी व्याख्यान का पीडीएफ तथा वीडियो आनलाइन ही उपलब्ध कराया जाएगा। उनको समस्याओं और प्रश्नों का समाधान भी शिक्षक

एम.काम की फीस आढ हजार रुपये प्रो. आलोक कुमार राय ने इसकी आयोग, नई दिल्ली से अनुमोदन भी प्रत्येक सेमेस्टर की फीस पांच : एम.काम के लिए पंजीकरण शुल्क

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

मौसिकी और जायके संग बनता-बिगड़ता रहा लखनऊ लवि के साहित्य उत्सव में लखनऊ के हर दौर पर चर्चा, वक्ताओं ने पुराने शहर से लेकर नए बसे इलाकों की भी कराई यात्रा

PIONEER PAGE 3

Preserving Lucknow's essence crucial

bility in preserving the city's Ramayana in Lucknow, he said Being a screenplay writer, he is a medium of empowerment and Afghanistan presented the

during the 1970s. He also said there is a limited space to reflecting the complexities of

play on Shakespeare. "Theatre Languages, in collaboration Pandey said.

A striking example is the cui- heritage, particularly its historic it was difficult to find women said there is only three per cent by putting forward the differ- celebration of multiculturalism

a difference in the food choic- importance of capturing inisced about well-known play- a play and that of a movie. close to life and is an expres- The two-day festival honours

es of the elite and the masses, but now the sale of chowmein photography to evoke a sense Raj Bisaria and Amrit Lal shared his experiences as a stu
Theatre artiste Salim Arif sion of human emotions," he power of literature to inspire, educate, and unite

and momos at roadside shops of nostalgia and connection. Nagar who played an impor-highlights the emerging con-Regarding the new Lucknow, tant role in the establishment of he later started as a theatre on ways to be a good actor, "Throughout history, litera-

sumer culture that is coming he noted the democratisation Bhartendu Natya Academy in artiste and prepared posters Surya Mohan Kulshreshtha ture has served as a mirror

Author Mehru Jaffer under- the value of storytelling in pre- Scriptwriter Atul Tiwari, who recalled being mentored by create a stage as the imagina- the human experience, and this

lined Lucknow's unique values, serving collective memory. is an alumnus of LU, said he Kunwar Narayan and Raj tion of theatre audiences is festival commemorates its pro-

influences and English contri- actor Surya Mohan of theatre. "Cultural adaptation Author Prof RP Singh talked Earlier, Lucknow University Several renowned authors

butions post the First War of Kulshreshtha talked about his is a part of translation, especial- about his daily routine, which embarked on a journey of scholars, and artists are here to

Independence. She praised the personal experiences, including ly in poetry and drama," he starts with writing poems and words, ideas, and imagination share their insights, stories, and

diplomatic approach of the playing the role of Asaram said, adding: "When a man ends with plays. Also an alum- as the department of English creative vision with the audi-

nawabs, who fostered harmo- Bapu. Recalling the culture of talks to himself and the world nus of LU, he wrote his first and Modern European ence," key organiser Prof Nishi

sine culture. Earlier, there was quarters. He highlighted the to perform in the play. He rem- difference between the script of ent dimensions of life. It is very at LU.

One cannot forget the nawabs

There have been significant who, being a religious minor-

changes in Lucknow, but ity, thought that diplomacy

preserving the city's essence is and loving the people would be

crucial, as emphasised during in their interest rather than war

the first session of Lucknow and conflict, and hence they

University's inaugural form a milestone in the histo-

Literature Festival. The distinguished panelists, including theatre artist Salim Arif, writer ry of Lucknow," she said, adding: "What made Lucknow unique in the 'purana daur' (old

Mehru Jaffer, Prof Nadeem times) was the capacity of the

Hasnain, litterateur Yatindra city to use differences amongst

Mishra, and photographer citizens to celebrate life.

Maroof Culmen, shed light on Litterateur Yatindra Mishra

various aspects of the city's depicted Lucknow as a blend of

Prof Nadeem Hasnain high-lighted the evolution of ical boundaries through its

ucknow's culture, noting a cultural institutions. He urged

shift towards consumerism, deeper exploration beyond

evident even in its cuisine. He superficial stereotypes, advo-

appreciated the city's laidback cating for engagement with

demeanor amidst modern local luminaries to truly under-

concern over ostentatious dis- Photographer Maroof Culmen

into prominence," he said. of information but emphasised Lucknow.

ny amid diversity, fostering a theatrical performances of listens, it is a poem."

plays of wealth and increasing emphasised citizens' responsi-

amenities, though he expressed stand the city's essence.

tangible and intangible ele-

shaped by Hindu-Muslim In the second session, theatre accidentally came into the field Bisaria.

विश्वविद्यालय) और मुंशी नवल शोर प्रेस को यह कर चीरिक किशोर प्रेस को याद कर लीजिए। नौशाद, ब्रेगम अख्तर और तलत महमूद को जान लीजिए। यशपाल, अमृतलाल नागर को पढ़ लीजिए, क्योंकि मौसिकी, अदब और जायके साथ बनता-बिगड़ता रहा

त्वावधान में शनिवार को साहित्य कथक की परंपरा निकली। यहीं के अब सलीम प्रोफेसर नदीम चाइनीज फूड और चाऊमीन आदि पहले भी बाजार थे, ग्राहक थे, ही होगा। सलीम आरिफ ने कहा, महोत्सव की शुरुआत हुई। मालवीय नौशाद लखनऊ को मुंबई लेकर इसनैन से मुखातिब हुए। प्रो. इसनैन आवामी खाना बन गए हैं। इतना लेकिन इंसानियत अलग थी। आज जबान से वहां का कल्चर पता चल सभागार में मांडरेटर सलीम आरिफ जाते हैं। यहां मुस्कुराहट के पीछे कई ने कहा कि लखनऊ कंज्यूमर कल्चर जरूर है कि लोग लखनऊ को अहमियत तक बदल रही है। मारूफ जाता है।

प्री फेस्टिवल प्रदर्शन से साहित्य महोत्सव का शुभारंभ

ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दर्शकों

Vice-Chancellor Prof Alok

Kumar Rai talked about 'Gehu

banam Gulab', a prominent

Hindi essay on the pragmatic

and emotive aspects of life. He

insisted on integrating the

aspect of 'gulab' (rose) into lives. He also had a word of

praise for the Shakespeare lit-

erature festival that the depart-

Head of the department Prof

Priyadarshini felicitated Prof

Rai and welcomed all the

The scintillating performances

of international students show-

cased the rich culture and his-

tory of their countries. Also,

attempts were made to show

the strong bond India and

these countries share. Students

from Kenya, Tajikistan, Sri

Lanka, Myanmar, Bangladesh

ment organised last year.

guests and dignitaries.

नाटक की जगह सीमित, फिल्म के लिए खुला आसमान

करने वाले को पहचानते हैं। फिल्म तक देखी जाती है। नाटक इससे है। जितना एक बार दिखा दिया, लोग में लखनऊ अदभत शहर है। थियेटर

माडरेटर प्रो. निश पांडेय ने रंगमंच में बहुत काम किया, लेकिन और चिंपांजी के डीएनए में जितना फिल्म, नाटक और कविता में ऐस थिएटर में लखनऊ का योगदान उतनी पहचान नहीं मिली जितनी फर्क है, उतना ही अंतर फिल्म और ही अंतर है। हालांकि, उसे व्यक्त पुछा तो वरिष्ठ रंगकर्मी सुर्यमोहन एक फिल्म में आसाराम का किरदार नाटक में है। नाटक घडी की तरह करने का हर किसी का अपना . इ.स.च. कमार थपलियाल और बंशी प्रो. निशि अब अभिनेता अतल जोडेंगे, उतनी ही इसकी कहानी तजबें से आता है। प्रो. आरपी सिंह कौल से लेकर रंजीत कपुर तक तिवारी से मुखातिब हुईं। अतुल लिखने की तमीज आएगी। नाट्य ने नाट्य लेखन की अपनी अनुभूति का वर्णन किया। कहानियों और तिवारी ने प्रहसन के भाव में छह वर्ष निर्देशक व कास्ट्यूम डिजाइनर को बयां किया। कहा, नाटक कविताओं के रंगमंच को भी उद्धत की उम्र में रेडियो से अपने जुड़ाव सलीम आरिफ ने अतुल की बात जिंदगी के सबसे करीब होता है।

LOKSATYA PAGE 3

लखनऊ विविमें करें ऑनलाइन पढ़ाई

हो गई है। शनिवार को विवि के कुलपति इसकी शुरुआत की। ऑनलाइन कक्षाओं में बीकॉम, एमकॉम सहित अन्य सेमेस्टर

नई व्यवस्था दूर दूराज रहने वाले गई है। ऑनलाइन शिक्षा में बीकॉम, गए हैं। इसी तरह एमकॉम में दो वर्षों एमकॉम की कक्षाएं शामिल रहेंगी। की पढ़ाई के दौरान चार सेमेस्टर

प्रथम सेमेस्टर के लिए प्रवेश प्रक्रिया उत्तीर्ण किये जाने आवश्यक हैं।

विवि नैक ए प्लस–प्लस तथा कैटेगरी एव में शामिल है। ऑनलाइन शिक्षा दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा की गई है। छात्राओं के लिए है। ऐसे छात्र-छात्राओं आरंभ कर दी गई है। इन उपाधियों पीडीएफ पर लेक्चर सुविध व्यवस्था लागू की गई है। कुलपित ने प्रक्रिया के समकक्ष रहेंगी। बीकॉम कहा कि देश में उच्च शिक्षा सर्वस्लभ विषय से जुड़ने वाले छात्र तीन वर्षों में हो, इस स्वप्न को वास्तविकता में अपने छह सेमेस्टर पूरे करेंगे। प्रत्येक बदलने के लिए नई व्यवस्था शुरू की सेमेस्टर में छह विषय सिम्मिलत किये

विलक के सहारे ऑनलाइन व्यवस्था को शुरू करते विवि के कुलपति।

के अंत तक लागू कर दी जाएगी। ऱ्याख्यान वीडियो ऑनलाइ न व्यवस्था और प्रश्नों का समाधान शिक्षकों द्वारा

वदी में नजर आएंगे लखनऊ विश्वविद्यालय के कमचार

AMRIT VICHAR PAGE 4

विश्वविद्यालय के कर्मचारी अब 30 अप्रैल तक होगी प्रोन्जी कोड लाग कर दिया है। व्यवस्था का कहना है कि प्रोन्नित को लेकर 30 इसी माह के अंत तक लाग हो अप्रैल की तिथि सुनिश्चित की गई है। जाएगी। कर्मचारियों को कैश लेस इसी तिथि में विनियमितीकरण के कार्य विवि के कुल सचिव डॉ. विनोद

विवि की साख को देश-विदेश चुकी है। कुछ नई व्यवस्थाओ में अच्छी करने के उद्देश्य से लागू को विस्तार दिया गया है। इसमे किया जा रहा है। व्यवस्था इसी माह कर्मचारियों को कैश लेस चिकित्सा डेस कोड के सहारे कर्मचारियों को अंतिम रूप देने के लिए की गणना भी होगी। तैयार की जाने उपकुलसचिव सामान्य प्रशासन वाली वर्दी को लेकर अतिरिक्त और उपकलसचिव शिक्षणोत्तर क सविधाएं सनिश्चित की जा जिम्मेदारी दी गई हैं।

said Uniyal. Theatre director most three months.

TOI PAGE 2

TIMES NEWS NETWORK

aims to raise awareness about

The event was organised

by the Environmental Infor-

gramme-PCRP, along with

the Institute of Wildlife Sci-

लविविके 12 छात्रों को मिला रोजगार अंकिता मजुमदर एवं बीटेक की छात्रा अपर्णा का चयन टैलेंट स्काउट यूएस अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय स्टॉफिंग एंड रिक्रटमेंट पद पर हुआ है। के 12 छात्र-छात्राओं का बेवन सॉल्युशन एचसीएल टेक कंपनी में बीकॉम की 3 एवं एचसीएल कंपनियों में प्लेसमेंट छात्राओं रिया जयवाल, अनुराधा शुक्ला

हुआ। कंपनी अधिकारियों ने तमाम खशी शर्मा, बीसीए के 2 छात्रा क्षितिज प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांश पाण्डेय आर्यन अवस्थी, काजल मिश्रा, बीएससी ने बताया कि बेवन सॉल्यूशन कंपनी के छात्र प्रखर सिंह यादव और बीवीए के कैंपस प्लेसमेंट डाइव में एमबीए छात्र जीशान रेहमान का चयन टेक्निकल

छात्रों को मिली विषय चयन एक विषय को चयनित करने की

रस्तोगी, रिफात हसैन, बीए के 2 छात्र की 2 छात्राओं रितिका सिंघल और सपोर्ट एनालिस्ट पद पर हुआ है। लविवि के ज्ञानेश को मिला

रजत पदक अमृत विचार,लखनऊ : चंडीगढ़ विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी कराटे पतियोगिता चल रही साथ ज्ञानेश है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्ञानेश कुमार में रजत पदक जीता है। लविवि की कराटे टीम के 21 सदस्य शामिल हैं। १६ से शुरू हुई प्रतियोगिता १९ मार्च तक चर्लेगी। ज्ञानेश सिंघल का चयन खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल के

साहित्य महोत्सव में विदेशी आधुनिक यूरोपीय के सहयोग से कौशल किशोर की किताब का

अपना पहला साहित्य महोत्सव विमोचन आज के साथ हुई। डॉ. डेविड ने एनईपी की सराहना की और साहित्य और

नेहंदी पुस्तक पर विचार रखेंगे। प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सिनेमा और लखनऊ की आवार्जे था। का समापन किया। स्मृति समारोह

डॉ. अब्बास रजा नैयर द्वारा संचालित के दौरान, प्रो. रान् उनियाल ने स्व

डॉ. हरिओम द्वारा कविता से संगीत पद्मश्री प्रो. राज बिसारिया से जुड़ी

तक का व्याख्यान का आयोजन अपनी यादें साझा कीं।

मनाया। लखनऊ - एक नया दौर अमृत विचार, लखनऊ: जन शीर्षक से जड़े दो दिवसीय साहित्य संस्कृति मंच और इप्टा की ओर से महोत्सव में मानवीय अनुभव की 🛮 कौशल किशोर की किताब भगत सिंह पहले दिन शरुआत जोनाथन 17 मार्च को शाम 4 बजे से कैसरबाग पहाय द्वारा प्री-फेस्टिवल प्रदर्शन मिश्रा की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन में डॉ. रमेश दीक्षित, प्रो. सुरज संस्कृति के लिए इसकी प्रासंगिकता बहादुर थापा, शैलेश पंडित तथा असगर

प्रसिद्ध हिंदी निबंध गेहं बनाम गुलाब हुआ। डॉ. नैयर ने डॉ. हरिओम का उल्लेख किया।अगला सत्र की ने कार्यक्रम की शुरुआत मॉडरेटर शुरुआत सलीम आरिफ ने लखनऊ और स्पीकर के बीच एक दिलचस्प की खूबसूरत और समृद्ध संस्कृति से काव्य आदान-प्रदान के साथ हुई। परिचय कराने के साथ की। सत्र यह एक इंटरैक्टिव सत्र था, जिसमें के प्रमख वक्ता प्रो. नदीम हसनैन. छात्रों को स्पीकर से सवाल पछने के मेहरू जाफर, मारूफ कलमेन और लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपनी एक कविता सिकंदर हूँ, मगर कार्यक्रम का शीर्षक रंगमंच और हरा हुआ हूँ के पाठ के साथ सत्र

परंपराओं और तहजीब से बना है लखनऊ : यतींद्र मिश्र



विदेशी छात्रों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दो दिवसीय साहित्य सम्मेलन का आगाज विवि में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों नहीं है। यह शहर अपनी परंपराओं और तहजीब की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ। कुलपति प्रो., आलोक कुमार राय ने फेस्ट का उद्घाटन वदलावों को समझने के लिए यहां की संस्कृति । तो परा मालवीय हॉल गाने को गनगनाने लगा ।इसी तरह स्यामार, तजाकिस्तान, बांग्लादेश। और रूस के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। वेश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक व्यताया। उन्होंने बेगम अख्तर के कोठे से लेकर संस्कृति को अपनाया और लखनऊ को तहजीब

की डवोदी का जिक्र करते हुए कथक की परंपरा पांच सबसे तेजी से विकसित होते शहरों में एक पोस्टर बनाने से उनकी थिएटर में आने की ग्रेजिएशन कर लो जेल में सुविधा व्यवहार होता है, इसलिए उन्होंने मुझसे

LITERATURE FESTIVAL 2024

इंटर यूनिवर्सिटी कराटे में एलयू के धुरधरों ने किया कमाल ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी

लखनऊ, लोकसत्य चंडीगढ विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी कराटे प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्ञानेश

कुमार सिंघल ने 55 किलोग्राम भार श्रेणी के अंतर्गत रजत पदक प्राप्त कर इतिहास रच दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय की कराटे टीम के सभी 21 सदस्यों का चयन अखिल भारतीय अंतर कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए कराटे टीम की इस उपलब्धि हासिल हुआ था। यह प्रतियोगिता 16 से 19 करने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा मार्च को चंडीगढ विश्विद्यालय में आयोजित की जा रही है। परिषद के अध्यक्ष प्रो रूपेश कुमार ने

का आभार जताया।

लखनऊ, लोकसत्य छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल र्गतियोगिता में शानदार प्रदर्शन चयन खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल के लिए भी हो गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के

लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ टीम के कोच श्री आकाश सोनकर हुईं। शनिवार को प्रतियोगिता का

किया। कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो अलोक कुमार राय के संरक्षण में यूनिवर्सिटी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, में एक्स्ट्रा करिकलर एक्टिवटीज ₹सिनर्जी 2024₹ के अंतर्गत दो दिन 16 एवं 17 मार्च को बीफार्म एवं डीफार्म के छात्र छात्राओं के बीच क्रिकेट, वॉली बाल, टग ऑफ़ वॉर, एथेलेटिक्स एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिताएं शुरु

एक्टिविटीज सिनर्जी 2024 के

अंतर्गत हुईं प्रतियोगिताएं

63 रन का लक्ष्य निर्धरित किया। 62 रन पर आल आउट करके जीत दर्ज किया। द्वितीय प्रतियोगिता में बीफार्मा द्वितीय वर्ष एवं डीफार्मा द्वितीय वर्ष के छात्राओं ने क्रिकेट में वर्ष के छात्राओं ने जीत दरज की। ततीय वर्ष के छात्र विजयी घोषित हए। बॉलीबॉल प्रतियोगिता के प्रथम उदघाटन एफओईटी एवं इंस्टीट्यट के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

एलयू की विभिन्न प्रतियोगिताओं

ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के

निदेशक प्रो पृष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने

उत्साहवर्धन हेतु इंस्टीट्यूट ऑफ

फार्मास्यूटिकल साइंसेज के फैकल्टी

डिप्लोमा द्वितीय वर्ष के छात्रों ने टॉस

द्वितीय वर्ष की टीम को जीत के लिए

जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय

लिया एवं प्रथम वर्ष की टीम ने

किया। छात्र छात्राओं के

मेंबर्स मौजूद रहे। क्रिकेट में

में स्टूडेंट्स ने दिखाया दमखम

HIDUSTAN TIMES PAGE 5

LU Litfest Evokes Nostalgia, Sheds Light On Cultural Evolution **Culture, cuisine soul of city: Panel delves in rich legacy**

wed by its association with the opulent Nawabi era, Lucknow's history has much more to offer, said theatre director terature festival on Saturday. Arif, a prominent alumnus of the varsity, added that the city has always pulsated with cultural influences, progressive movements, and a welcoming

Organised by the depart- Students perform at LU's literature festival on Saturday ment of English and Modern European Languages in collaboration with Tagore Library, the first day of the festival featured a diverse panel of LU alumni and city residents during the session - "Lucknow: A New Era - Exploring Cultural History". The panelists included author Mehru Jaffer, Professor Nadeem Hasnain, Professor Nadeem Hasna- re. The city, and Lucknow in shed light on Lucknow's University itself, have producultural evolution. He poin- ced many eminent actors, dinorthern India, which faced ver, there has been a decline

TIMES NEWS NETWORK acclaimed play 'Ala Afsar'. Besides, modern and psycholitterateur Yatindra Mishra, and "heritage advocate" Marof Culmen.

Professor Nadoem Hasna physical theatre also found a tage here. By the 1970s, inno- Lucknow: To mark World vative experiments flouris- Sparrow Day (March 20), a fihed. The Bhartendu Natya Academy, established in 1975 ve-day celebration -- Sparrow through Raj Bisaria's efforts, Week -- commenced in Luck-

ted out that unlike much of rectors, and writers. Howe- Panellists at the lit fest remained relatively peaceful. lamented a panel at the Luck-rated by Prof Nishi Pandey, Kulshrestha. wave of migrants, including Festival on Saturday. with increasing urbanisa- Lucknow," featured theatre ved. manners (tehzeeb), and its de- English and Modern Europe- city provided a launchpad for translation." lectable cuisine," said Hasnain while adding, "The city fos- The panel also discussed ters associated with the move- Meanwhile, Yatindra

everyone is a source of great originated in Lucknow. They Kaifi Azmi, Amritlal Nagar, that have shaped Lucknow's

paid tribute to prominent wriand Yashpal.



Student interest in theatre is declining in city, feel experts

nurtured actors like Nawazuddin Siddiqui and Rajpal now on Saturday. Observed turmoil after Independence in student participation in an Languages RP Singh, and Yaday, alongside the esteein 1947, Lucknow and Awadh theatre compared to the past, playwright RP Singh. Mode-med Urmil Thapliyal," said "This tranquility attracted a now University Literature the discussion explored the Meanwhile, actor Atul Ti- the conservation of sparnuances of theatre, its histo- wari shared his experience Sikhs, Sindhis, people from The session, titled "The-rical roots in the city, and translating William Shake-rows. Odisha, and Kerala. Today, atre and Cinema: Voices of how students can get invol- speare's "The Tempest." He tion, the city is transforming artist Surya Mohan Kulsh- "Even before I understo- poetry, there's no such thing into a cosmopolitan centre... restha, theatre director Sa- od the word 'theatre,' I wat- as pure translation... Cultu- mation Awareness Capacity Lucknow is synonymous lim Arif, writer and actor chedthe Kumaon Parishadki raladaptation is essential for Building and Livelihood Prowith the Nawabs, refined Atul Tiwari, professor of Ramlila... Back in the day, the a successful adaptation or

tered a unique and inclusive the influential Progressive ment, including Munshi Mishra highlighted other sig-

culture. Its ability to welcome Writers' Movement, which Premchand, Ismat Chughtai, nificant cultural institutions vanced Studies at Lucknow

called his association with Bisaria. "He was an exceptio-Lucknow: Tributes were panal mentor who always allo-HOD English, Prof Ranu Unisometimes he used to give us our age and experience but ry man who always wanted to nent personalities like Shy-"He loved literature and am Benegal and Mani Rat-

and producer, Salim Arif, re-

Participants at the sparrow walk on Saturday

'Chakravyuh' enthralls audience Lucknow: As part of the Lucknow University Literature Festival, the play "Chakravyuh," based on the Mahabharat, was

staged at the university's AP Auditorium on Saturday. Written by Atul Satya Kaushik and directed by Puneet Pathak, the play featured students from the Department of English and Modern European Languages. Ilma Khan, Sachit Rai, Shivam Rawat, and Preetam Rajput took on the lead roles of Lord Krishna. Abhimanyu, Duryodhan, and Dushasan, respectively. The festival also offered a diverse range of cultural

programmes at Ambedkar Sthal. These included a street play Speaking about Bisaria's Ali, satirical dialogues by Hafsa Yasmeen, and poetic responses theatre while working with way of working in theatre, by Asma Ali. Additionally, instrumental performances by Theatre Arts Workshop and Arif saidthateven for a three-Saksham Sonkar and Aditya Sharma complemented a poetry Bhartendu Natya Academy," day play, he would work for alsession ("Jasn-e-Khayal") and a musical programme

5-day Sparrow Week kicks off in Lucknow TIMES NEWS NETWORK

Sparrow Walk yor Sushma Kharakwal distributed sparrow houses, feed, water pots, and sparrow

with the UP State Biodiversiy Board and the Nawab Wajid Ali Shah Zoological Garden. A sparrow walk was initiated from Shivaji Park at Lucknow University, culminating at Universal Booksellers in Hazratganj, where ma-

roost plants among the pub-The second day will feature a stall at Janeshwar MishraParkfrom7amto9am,offering sparrow houses, feed and water pots.

अध्यक्ष प्रो. नदीम हसनैन, लेखक मेहरू जफर 🛮 कास्मोपोलिटन शहर बताया जहां अब देश के 🕏 एहा है । जब मैंने थिएटर में करियर शरू भी नहीं जानकारी लाडबेरी में मिलती थी। अग्रेजीविशाग 🕞 लिया। उन्होंने बताथा उनके पिता वामपंथ और फोटोग्राफर मारूफ कलमेन ने शहर की अलग- अलग हिस्सों सेलोग बस चके हैं। मल किया था तब सेयहां मंचीय रामलीलाएं प्रचलित के प्रो. रविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जब शाब्दिक विचारधारा के नेता थे तो ज्यादातर समय जेल तहजीब, खानपान, बाजार, लेखकों और 🛚 लखनिबयत वाले लोग कम हो गए हैं। उन्होंने 🛮 थीं। उन्होंने पद्मश्रीराज बिसारिया को यादकरते 📑 नाटियता बढ़ती है तो पन्नों पर उतरने लगती है। 📑 हो रहे, अगर आज भी जीवित होते जेल साहित्व पर बातें की। सलीम आरिफ ने माडरेटर कहा कि नया लखनऊ आईटी और मेडिकल हए कहा कि थियेटर में लखनऊ ने बहतों की जब हम अपनी भावनाओं को शब्दों में तलाशते होते। मैं भी कछ पिता की तरह ही था। मां व की भुमिका निभाई। यतींद्र ने कालिका विदादीन 📑 हव के तौर पर पहचान बना रहा है। जो देश के 🖫 प्रिसद्ध किया। रंगकर्मी सलीम आरिफ ने कहा कि 📑 तो फल भी कहानी कहने लगते हैं।

में बिरजु महाराज, अच्छन महाराज, छम्मु 🕏 । मेहरू जफर नेकहा कि नवाब चाहते तो यहां 🛛 शुरूआत हुई । इसमें कलाकार रणबीर सिंह विष्ट, 🖊 मिलेगी : सत्र में बातचीत करते हुए अभिनेता ग्रेजुएशन करने को कहा और मैं उनके इस भोले

Above) Participants from

in the cultural programme

and (left) Yatindra Mishra,

Mehru Jaffer and Salim Arif

speaking at the 'Lucknow Ek

history' at the LU Lit Fest on

Naya Daur: Exploring cultural

different countries taking part

ाहाराज और बिंह्या महाराज के योगदान को 🛮 शासन कर सकते थे लेकिन उन्होंने यहां की 🕏 कंवर नारायण आदि का बड़ा योगदान रहा। अमित तिवारी ने कहा कि उनका मनहमेशा से 'प्रेम को मना न कर पाया।

LUCKNOW: The first-ever litera-

ture festival of Lucknow Univer-

sity that began on Saturday

focused on the students and the

ing the role of history and litera-

ture in shaping the current gen-

The speakers included Prof

Nadeem Hasnain, author

Mehru Jaffer, heritage photog-

rapher Maroof Culmen, Indian

poet Yatindra Mishra, and Salim

Arif started the discussion

with a brief introduction of Luc-

know's history since the early

est-growing cities in the coun-

Arif as the moderator.

eration of students.

Themed 'Lucknow Ek Naya

Tributes paid to theatre doyen Raj Bisaria First LU literature fest ushers in 'naya daur' Multicultural stage acts and

लखनऊ विश्वविद्यालय की

कराटे टीम के ज्ञानेश सिंघल का

LUCKNOW: The Lucknow livelihood. tant addition to its long list Tajikistan, Sri Lanka, Myanof annual events by organis-

ers discussed the remnants ture festival. speaks of pursuing the emo- Ranu Uniyal sharing her tional callings of life, while memories of the theatre also pursuing a practical maestro.

1900s, passing on the baton to about the diversity in Lucknow gone now, with the coming of Saturday featured a panel dis- India, 'Anand Raghunandan' that has persisted over the ages, the consumer culture." Indian poet and cinema where people from across the Culmen quoted a war corre- which the city's historical rela- patronised and staged severa country and world feel comfort- spondent William Howard Rus- tionship with performing arts plays here before that time," he that Lucknow is one of the fast- able settling in this city. Photographer Maroof Cul- much applause from the young The panelists were theatre Kulshreshtha exemplified al try, "It is emerging as a medical men, however, said that the crowd. Quoting Russel from artiste Surya Mohan Kul- the great names in the city who hub with IT, cuisine and busi- consumer culture is more for 1855, he said, "Not Rome, not shreshtha, film actor Atul were responsible for setting up ness attractions and has the worse than the better. "We Athens, nor Constantinople Tiwari, Prof. RP Singh of LU's Bhartendu Natya Akademi adapted to the culture of con- are seeing a vulgar exhibition of look as striking as the city Luc- English and modern European which is now a place for hunwealth," he said, "Certain eti- know. The more I see the more languages department and cos- dreds of young theatre aspi-Nadeem Hasnain talked quettes of Lucknow are long it grows on me."

'epic' plays mark Day 1

Students from Kenya,

ing its first-ever literature Afghanistan presented dance and musical perform-Academicians and writ- ances to kick off the literaof Old Lucknow in the spirit Two panel discussions of New Lucknow. Vice after the inaugural cerechancellor Alok Kumar Rai, mony was followed by a in his address, reminded short memorial service in students of the story 'Gehu honour of Padma Shri Raj Banam Gulab', a tale that Bisaria, with Professor

theatre older than 1st published Indian play

'Lucknow's tryst with

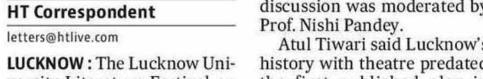


discussion was moderated by Prof. Nishi Pandey. versity Literature Festival on the first published play in

cussion on film and theatre, in in 1871. "Wajid Ali Shah had

Atul Tiwari said Lucknow's

Tiwari and RP Singh at the 'Theatre and Cinema: Voices from Lucknow' panel discussion at the LU Lit Fest.



sel from the London Times to was examined at length.

tume designer Salim Arif. The rants to train for the stage.